

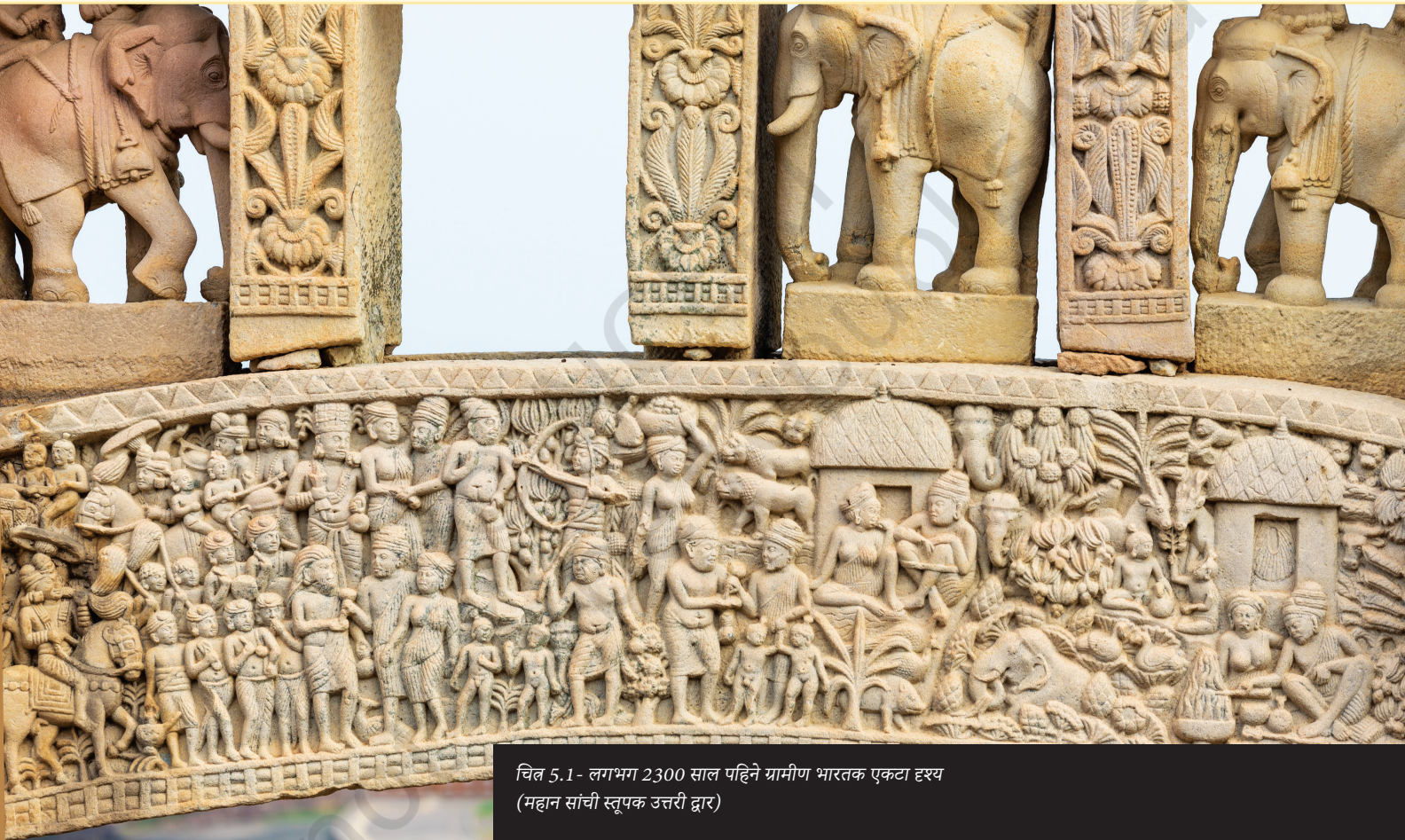
इण्डिया, अर्थात् भारत

अध्याय

5

भारतमे बहुत प्रारम्भिक समयसँ आध्यात्मिक आ सांस्कृतिक एकता स्थापित भऽ गेल छल जे हिमालय आ दुनू समुद्रक बीच मानवताक एहि महान मानवताक जीवनधाराक अभिन्न अङ्ग बनि गेल छल।

— श्री अरबिन्दो



चित्र 5.1- लगभग 2300 साल पहिने ग्रामीण भारतक एकटा दृश्य
(महान सांची स्तूपक उत्तरी द्वार)

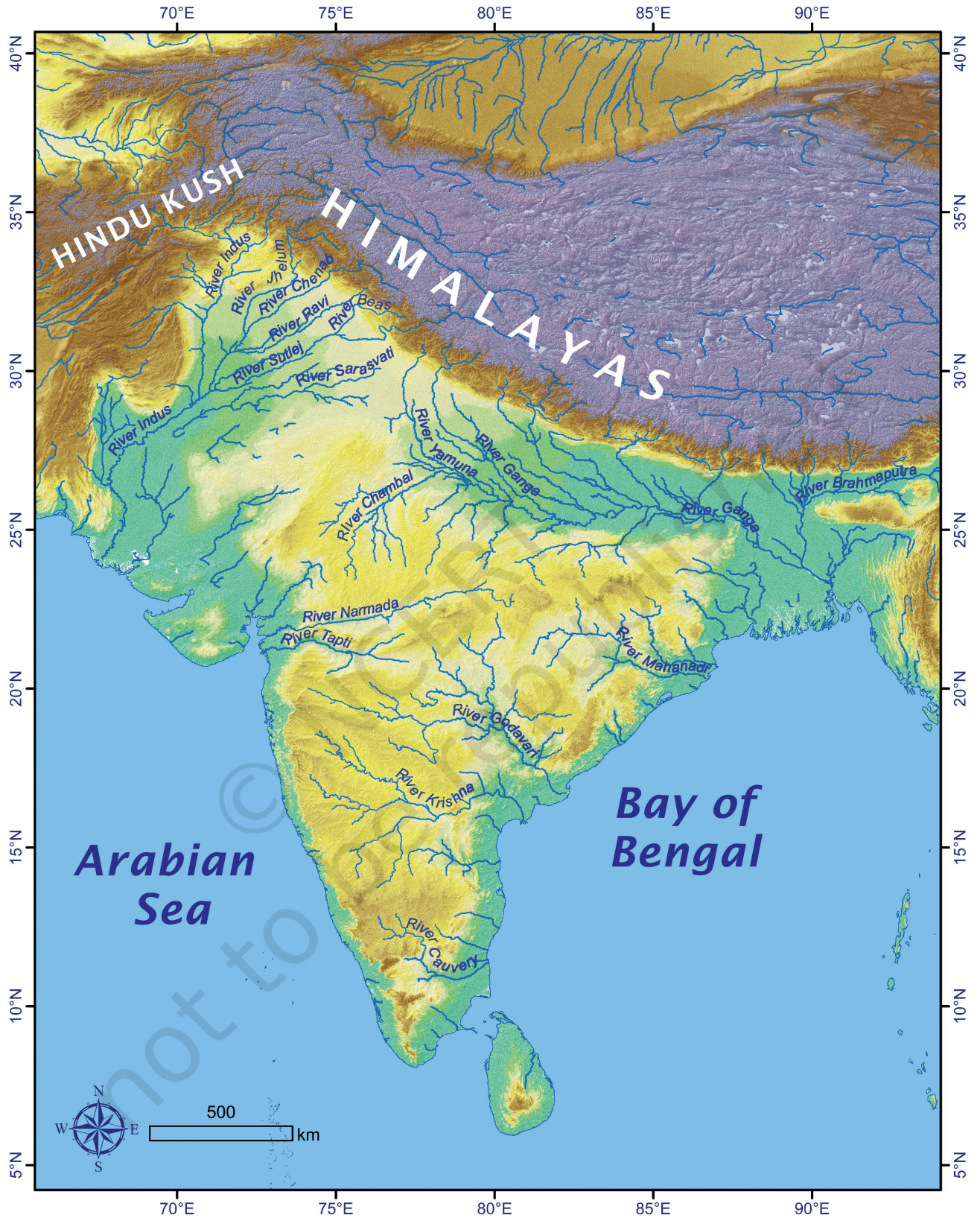
महत्त्वपूर्ण प्रश्न



1. हम भारत के केना परिभाषित करब?
2. भारतक प्राचीन नाम की छल?



0681CH05



चित्र 5.2। भारतीय उपमहाद्वीपक एकटा भौतिक मानचित्र, एकर किछु नदीक संग।

आइ हम जाहि भारतकेँ जनैत छी ओ एकटा आधुनिक राष्ट्र अछि, जकर परिभाषित सीमा, परिभाषित राज्य आ ज्ञात जनसंख्या अछि। मुदा, ई 500 साल पहिने, 2,000 साल पहिने या 5,000 साल पहिने सेहो बहुत भिन्न छल। दुनियाक ई क्षेत्र, जकरा हम प्रायः 'भारतीय उपमहाद्वीप' कहैत छी, कतेको अलग-अलग नाम आ बदलैत सीमा रहल अछि। हम भारतक अतीत आ विकासक विषयमे कतेको अलग-अलग स्रोतसँ सीखि सकैत छी। आउ, अन्वेषण कऽरब।



आउ विचार करू

अध्यायक आरम्भमे भारतीय उपमहाद्वीपक भौतिक मानचित्रपर विचार करू। एकर प्राकृतिक सीमा की अछि जकरा अहां बना सकैत छी?

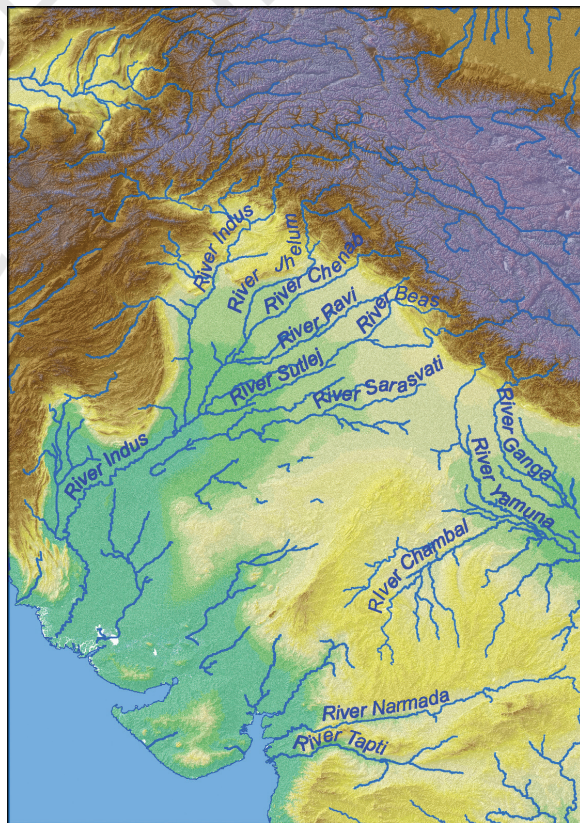
इतिहासक इ क्रममे भारतकेँ ओकर **निवासी** आ विदेशसँ आयल आगंतुक द्वारा नाम सं कहल जायत अछि। ई नाम प्राचीन ग्रन्थ, यात्री आ तीर्थयात्रीक विवरण आ शिलालेखसँ आयल अछि।

निवासी: ओ लोक जे कोनो विशेष स्थान पर रहैत छथि।

भारतीय लोकनि भारतक नाम केना रखलनि

ऋग्वेद भारतक सबसँ प्राचीन ग्रन्थ अछि; जेना कि हम अध्याय 7 मे देखब, ई कतेको हजार साल पुरान अछि। ई उपमहाद्वीपक उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रकेँ 'सप्त सैधव' अर्थात 'सात नदीक भूमि' नाम दैत अछि। 'सिंधवा' शब्द 'सिन्धु'सँ आयल अछि, जे सिन्धु नदीकेँ संदर्भित करैत अछि, वा कखनो काल सामान्यतः कोनो नदीकेँ संदर्भित करैत अछि।

समयक सङ्ग आगू बढ़ैत हम देखैत छी जे साहित्यमे भारतक अन्य भागक नाम अबैत अछि।



चित्र 5.3 भारतीय उपमहाद्वीपक उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र

महाभारत भारतक सबसँ प्रसिद्ध ग्रन्थमेसँ एक अछि (हमसभ एकर विषयमे 'अपन सांस्कृतिक धरोहर आ ज्ञान परम्परा' विषयमे पऽढब)। दिलचस्प बात ई अछि जे एहिमे बहुत रास क्षेत्रक सूची देल गेल अछि, जेना काश्मीर (लगभग आजुक कश्मीर), कुरुक्षेत्र (आजुक हरियाणाक किछु हिस्सा), वंग (बंगालक किछु हिस्सा), प्रागज्योतिष (लगभग आजुक असम), कच्छ (आजुक कच्छ), केरल (लगभग आजुक केरल), आदि।

आउ अन्वेषण करू

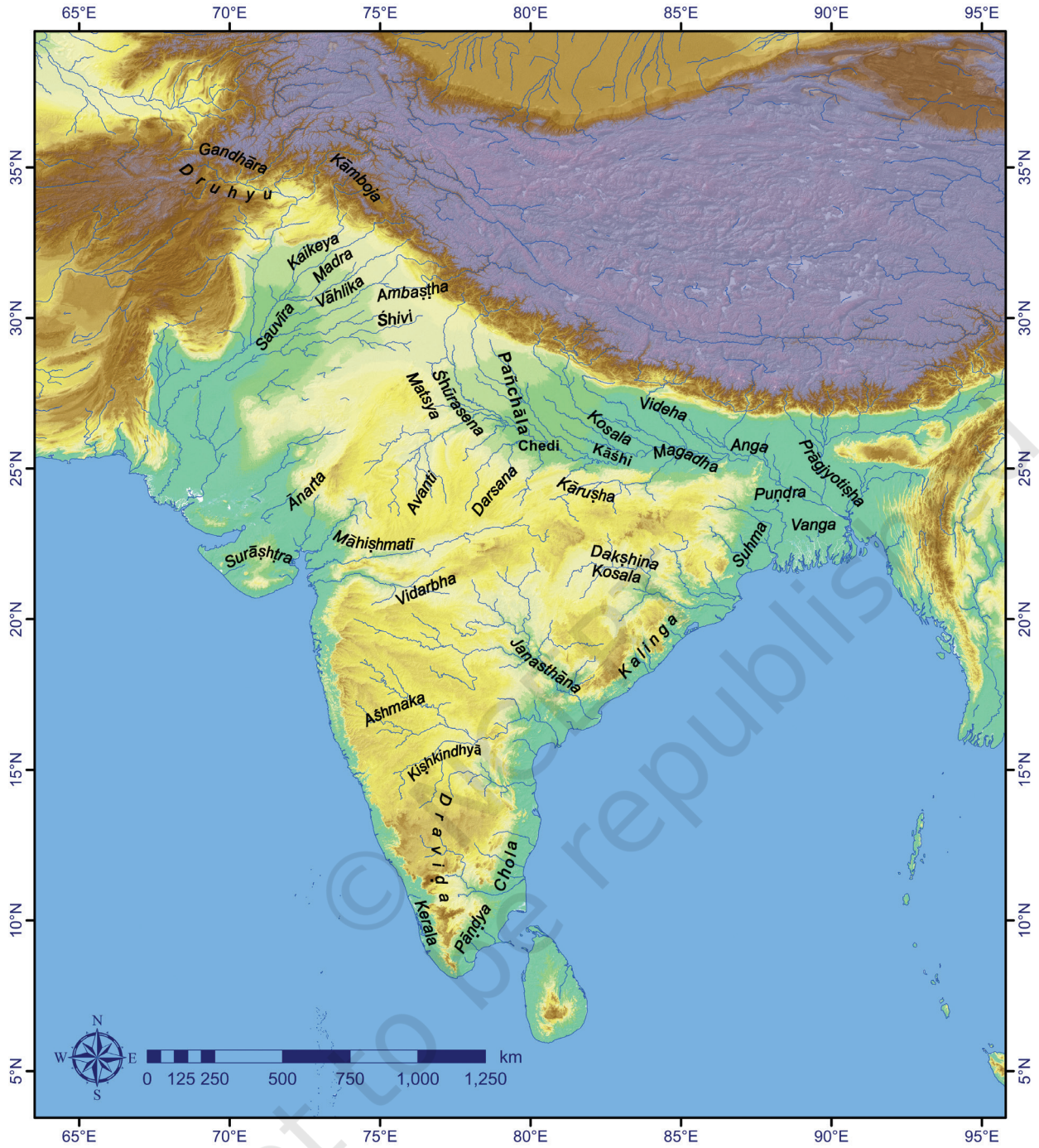
की अहाँ पृष्ठ 79 पर मानचित्र (चित्र 5.4) मे देल गेल कोनो क्षेत्रक नाम चिन्हैत छी? जे अहाँ सुनने छी ओकरा सूचीबद्ध करू।

मुदा पूरा भारतीय उपमहाद्वीपक नाम हमरा लग कहिया आबि जायत? चूँकि प्राचीन भारतीय ग्रन्थक तिथि निर्धारित केनाय कठिन अछि, एकर उत्तर देनाय सरल प्रश्न नहि अछि। महाभारतमे 'भरतवर्ष' आ 'जम्बूद्वीप' शब्दक प्रयोग कयल गेल अछि, आ विद्वान सामान्यतः एहि बातसँ सहमत छथि जे ई लम्बा कविता किछु सा. सं. पू. मे लिखल गेल छल।

पहिल पद, 'भरतवर्ष', स्पष्ट रूपसँ पूरा उपमहाद्वीप धरि पसरल अछि, आ पाठमे अनेक नदी आ लोकक नाम सम्मिलित अछि। 'भारतवर्षक अर्थ अछि 'भरतक देश'। 'भरत' एकटा एहन नाम अछि जे पहिल बेर ऋग्वेदमे देखल जाइत अछि, जतय ई लोकक मुख्य वैदिक समूहमेसँ एककेँ सन्दर्भित करैत अछि। बादक साहित्यमे 'भरत' नामक कतेको राजाक लेल उल्लेख अछि।

दोसर पद, 'जम्बूद्वीप'क अर्थ अछि 'जामुन गाछक फलक द्वीप'। ई वास्तवमे भारत मे सामान्य गाछ अछि, जकरा 'जम्बुल गाछ', 'मालाबार बेर गाछ' आदि सेहो कहल जाइत अछि। आगू 'जम्बूद्वीप'क अर्थ भारतीय उपमहाद्वीप भेल।

वास्तवमे, एकटा भारतीय सम्राटसँ नीक संकेत भेटैत अछि - हुनकर नाम अशोक अछि आ बादमे हुनकर विषयमे जानब; एखन लेल, हुनकर तिथि लगभग 250 सा.सं.पू. लऽ सकैत छी। जेना कि हमसभ देखब, ओ अपनासभक लेल बहुत रास शिलालेख छोड़ि गेलाह। ओहिमेसँ एकटामे ओ सम्पूर्ण भारतक



चित्र 5.4- महाभारतमे सूचीबद्ध किछु क्षेत्रक मानचित्र। (ओहिमेसँ कतेकक उल्लेख पाठमे राज्यक रूपमे सेहो कयल गेल अछि।) अहाँकेँ ओहि क्षेत्रसभकेँ याद रखबाक आवश्यकता नहि अछि, मुदा ध्यान देबाक चाही जे ओ उपमहाद्वीपक सम्पूर्ण भूगोलकेँ कोना समेटैत अछि।

वर्णन करबाक लेल ओही नाम 'जम्बूद्वीप'क प्रयोग कयलनि, जाहिमे ओहि समयमे आजुक बांग्लादेश, पाकिस्तानक सङ्ग-सङ्ग अफगानिस्तानक किछु भाग सेहो सम्मिलित छल।

किछु शताब्दीक बाद, 'भरत' सामान्यतः भारतीय उपमहाद्वीपक लेल प्रयुक्त नाम बनि गेल। उदाहरणक लेल, एकटा प्राचीन पाठमे जकरा कहल जाइत अछि विष्णु पुराण मे हमसभ पढ़ैत छी:

उत्तरं यत् समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव
दक्षिणम्, वर्षं तद् भारतं नाम...
“ओ देश जे समुद्रक उत्तरमे स्थित अछि
आ बर्फीला पहाड़क दक्षिणमे अछि, भारत कहल
जाइत अछि।

ई नाम 'भारत' आइयो प्रयोगमे अछि। उत्तर भारतमे एकरा सामान्यतः 'भारत'क रूपमे लिखल जाइत अछि, जखन कि दक्षिण भारतमे एकरा प्रायः 'भारतम्' लिखल जाइत अछि।



आउ विचार करू

की अहां 'बर्फीला पहाड़' के चिन्हलहुं? की अहाँके लगैत अछि जे भरतक ई संक्षिप्त वर्णन सही अछि?

ई ज्ञान रोचक अछि जे देशक विभिन्न भाग भारतक लेल समान परिभाषा अपनौलक। उदाहरणक लेल, लगभग 2,000 वर्ष पूर्वक प्राचीन तमिल साहित्यक एकटा कवितामे एकटा एहन राजाक प्रशंसा कयल गेल अछि जकर नाम "दक्षिणमे [केप] कुमारीसँ, उत्तरक महान पर्वतसँ, पूरब आ पश्चिममे महासागरसँ जानल जाइत अछि..." आब अहाँ 'उत्तरक महान पर्वत'केँ चिन्हि सकैत छी, आ 'केप कुमारी'केँ चिन्हब कठिन नहि होयबाक चाही। एहन लगैत अछि जेना प्राचीन भारतीय लोकनि अपन भूगोलकेँ नीक जकाँ जनैत छलाह।

ध्यान राखू

भारतीय संविधान जे पहिल बेर अङ्ग्रेजीमे लिखल गेल छल, आरम्भमे 'इंडिया, दैट इज भारत' वाक्यांशक प्रयोग करैत अछि। तहिना संविधानक हिन्दी संस्करणमे एही उल्लेख अछि 'भारत अर्थरथ इंडिया'।

आउ अन्वेषण करू

चित्र 5.5 (पृष्ठ 82) मे भारतक मूल संविधानक पहिल पृष्ठमे की अहाँ 'इंडिया, अर्थात् भारत' बुझि सकैत छी?

संविधान:

एकटा दस्तावेज
जे मूल सिद्धांतक वर्णन करैत
अछि
आ कोनो राष्ट्रक कानून।
भारतीय संविधान, जकर
अध्ययन कक्षा 7 मे कयल
जायत, 1950 मे लागू भेल।

विदेशीलोकनि इंडिया नाम केना रखलनि

भारतक उल्लेख करयवला पहिल विदेशी फारसी छलाह, जे ईरानक प्राचीन निवासी छलाह। छठी शताब्दी सा.सं.पू., एकटा फारसी सम्राट एकटा सैन्य अभियान शुरू कयलनि आ सिन्धु नदीक क्षेत्रपर नियंत्रण प्राप्त कयलनि, जेनाकि हम देखलहुँ, पहिने 'सिन्धु' कहल जाइत छल। तँ ई कोनो आश्चर्यक बात नहि अछि जे अपन प्रारम्भिक अभिलेख आ पाथरक शिलालेखमे फारसी लोकनि भारतकेँ 'हिन्द', 'हिडू' वा 'हिन्दू' कहैत छथि, जे हुनक 'सिन्धु'क भाषामे रूपान्तरण अछि। (ध्यान दियौ जे प्राचीन फारसीमे 'हिन्दू' विशुद्ध रूपसँ भौगोलिक शब्द अछि; ई एतय हिन्दू धर्मक उल्लेख नहि करैत अछि।) एहि फारसी स्रोतक आधारपर प्राचीन यूनानी लोकनि एहि क्षेत्रक नाम 'इंडोई' वा 'इंडिके' रखलनि। ओ लोकनि 'हिन्दू'क प्रारम्भिक अक्षर 'ह' छोड़ि देलनि किएक तँ ई पत्र हुनक यूनानी भाषामे अस्तित्वमे नहि छल।

सिन्धु



हिन्धू



इंडोई / इंडिके

प्राचीन चीनी लोकनि सेहो भारतक सङ्ग बातचीत करैत छलाह। कतेको ग्रन्थमे ओ भारतकेँ 'यिन्तु' वा 'यिन्दु' कहैत छथि। ई शब्द सेहो मूल रूपसँ 'सिन्धु'सँ निम्नलिखित तरीकासँ आयल अछि:

सिन्धु



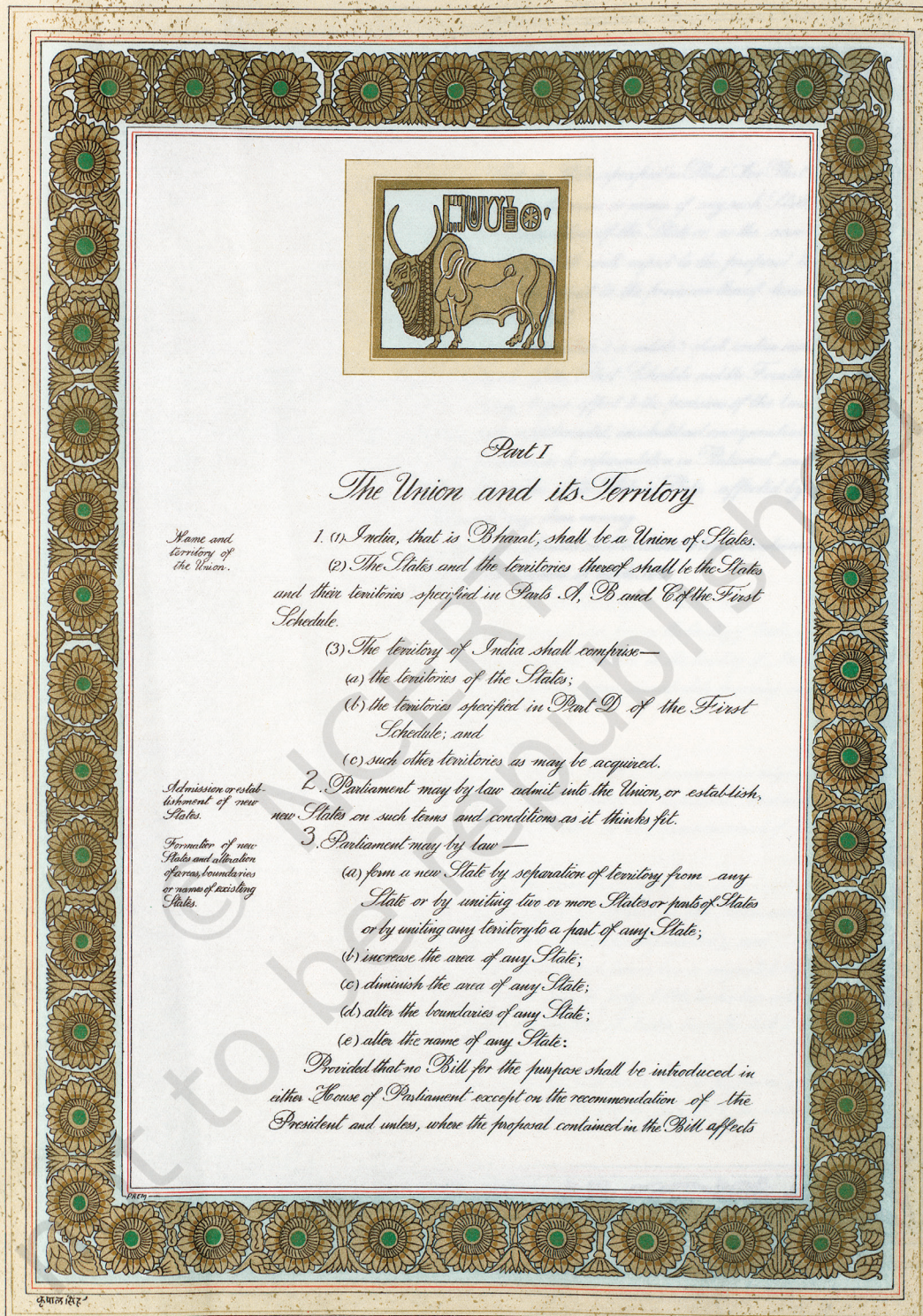
हिन्धू



इंदु



यिंदु



चित्र 5.5। भारतक संविधानक पहिल पृष्ठ (स्रोत: भारतक मूल संविधानक पुनर्मुद्रण, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, 2000)

ध्यान राखू

जुआनजांग (पहिने हियुएन त्सांग, ह्वेन त्सांग आदि कहल जाइत छल) 7 वीं सा.सं. मे चीनसँ भारत यात्रा कयलनि। ओ भारतक कतेको भागक भ्रमण कयलनि, विद्वानसभसँ भेंट कयलनि, बौद्ध ग्रन्थ एकत्रित कयलनि, आ 17 वर्षक बाद चीन घुरि अयलाह। ओतय ओ अपन सङ्ग लऽ गेल पाण्डुलिपिसभक संस्कृतसँ चीनी भाषामे अनुवाद कयलनि। शताब्दिमे कतेको अन्य चीनी विद्वान भारतक दौरा कयलनि।

एकटा आओर चीनी शब्द, जे 'सिन्धु'सँ सेहो बनल अछि, 'तियानझू' छल; मुदा एहि शब्दकेँ 'स्वर्गीय स्वामी'क रूपमे सेहो बुझल जा सकैत अछि। ई बुद्धक भूमिक रूपमे भारतक प्रति प्राचीन चीनक सम्मानकेँ दर्शाबैत अछि।

अहाँ संभवतः हालक एकटा शब्द 'हिन्दुस्तान'सँ बहुत परिचित छी, मुदा अहाँ नहि जनैत होइ जे एकर प्रयोग पहिल बेर लगभग 1800 साल पहिने फारसी शिलालेखमे कयल गेल छल! बादमे, ई शब्द भारतक अधिकांश आक्रमणकारी द्वारा एकर वर्णन करबाक लेल उपयोग कयल जायवला शब्द बनि गेल।



आउ अन्वेषण करू

की अहां भारतक लेल प्रयुक्त भिन्न-भिन्न नाम सं इ तालिका के पूर्ण कऽ सकैत छी?

फारसी	
यूनानी	
लैटिन	भारत
चीनी	
अरबी आओर फारसी	
अङ्ग्रेजी	इंडिया
फ्रेंच	इंडे

आगू बढला सं पहिने....

- भारत एकटा प्राचीन भूमि अछि, जकर इतिहासक क्रममे कतेको नाम रहल अछि।
- भारतक प्राचीन निवासी द्वारा देल गेल नाममे 'जम्बूद्वीप' आ 'भरत' सम्मिलित अछि। बादवला समयक सङ्ग व्यापक भऽ गेल आ अधिकांश भारतीय भाषामे भारतक नाम अछि।
- भारतक विदेशी आगंतुक वा आक्रमणकारी बेसीतर सिन्धु वा सिन्धु नदीसँ लेल गेल नाम अपनौलनि; एकर परिणामस्वरूप 'हिन्दू', 'इंदोई', आ अन्ततः 'भारत' सन नाम आयल।

प्रश्न, गतिविधि आओर परियोजना

1. चर्चा करू जे अध्यायक प्रारंभमे उद्धरणक अर्थ की भऽ सकैत अछि।
2. सही अथवा गलत?
 - ऋग्वेदमे भारतक सम्पूर्ण भूगोलक वर्णन अछि।
 - विष्णु पुराण पूरा उपमहाद्वीपक वर्णन करैत अछि।
 - अशोकक समयमे 'जम्बूद्वीप'मे आजुक भारत, अफगानिस्तान, बांग्लादेश आ पाकिस्तानक किछु भाग सम्मिलित छल।
 - महाभारतमे कश्मीर, कच्छ आ केरल सहित कतेको क्षेत्रक सूची देल गेल अछि।
 - 'हिन्दुस्तान' शब्द पहिल बेर 2,000 सालसँ बेसी पहिने एकटा यूनानी शिलालेखमे देखल गेल छल।
 - प्राचीन फारसीमे 'हिन्दू' शब्द हिन्दू धर्मकेँ संदर्भित करैत अछि।
 - विदेशी यात्री द्वारा इंडियाकेँ भारतक नाम देल गेल अछि।
3. जँ अहाँक जन्म लगभग 2,000 वर्ष पहिने भेल छल आ हमरा लग हमर देशक नाम रखबाक मौका छल, तँ अहाँ कोन नाम चुनने होयब, आ कियैक? अपन कल्पनाक प्रयोग करू!
4. प्राचीन कालमे दुनियाक विभिन्न भागसँ लोक भारत किएक जाइत छल? एतेक लम्बा यात्रा करबामे हुनकर की प्रेरणा भऽ सकैत अछि? (संकेतः कम सँ कम चारि या पाँच प्रेरणा भए सकैत अछि)